इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक २ मार्च, २००८ को होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावना है ।

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा

पूर्व कसौटी : सत्संग प्रवेश : प्रश्नपत्र - १

जनवरी, २००८ **समय : सुबह ९.०० से ११.१५** **कुल गुणांक : ७५**

वर्गखंड में उपस्थित परीक्षार्थी स्वयं ही अपना विवरणयुक्त स्टीकर लगाएँ । **बिना स्टीकर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं रहेगी ।**

स्वामिनारायण
BAPS

इस कोष्टक में
प्रवेश-१ (हिन्दी)
का स्टीकर लगाएँ ।

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर स्टीकर **लगाने का नहीं है ।**

☞ **परीक्षार्थी के विवरणयुक्त स्टीकर पर बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

निम्न लिखित सूचना परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी की उम्र .....

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी द्वारा लगाएँ गए स्टीकर तथा उपरोक्त विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ **परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-**

१. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरिक्षक से अपना विवरणयुक्त स्टीकर प्राप्तकर अपनी उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर लगाकर वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

२. **बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

३. दायीं ओर दिए गए अंक प्रश्न के गुणांक दर्शाते हैं ।

४. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

५. अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।

६. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर मान्य नहीं होंगे ।

७. प्रश्न के गुण → गुण : १ ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण रखने की जगह

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (५)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
	११ (५)	
विभाग-२, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१२ (१०)	
विभाग-३, कुल गुण		

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેકર - નામ

विभाग - १ : नीलकंठ चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है यह लिखिए । **(९)**

१. ''आपके समान विभूति का दर्शन आश्रम के सभी संतों को प्राप्त होगा ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

२. ''प्रगट प्रभु कहाँ मिलेंगे ? कब मिलेंगे ? मोक्ष कैसे प्राप्त होगा ?''

३. ''मैं इतनी छोटी जगह में निवास नहीं कर सकता ।''

प्र. २ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(६)**

१. नीलकंठ ने खंभे को अपनी बाँहों में ले लिया ।

.....

.....

.....

२. जमादार आश्चर्यमुग्ध अवस्था मे सिर खुजलाता हुआ चला गया ।

३. जयदेव ने अपनी पुत्री का विवाह मुकुंददेव के पुत्र से तोड़ दिया ।

प्र. ३ निम्नलिखित प्रसंगों में से किसी <u>एक</u> प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए ।
(विवरण आवश्यक नहीं है।) **(५)**

१. लोज़ में नीलकंठवर्णी की मुक्तानंद स्वामी से प्रथम मुलाकात । २. तेलंगी ब्राह्मण का उद्धार ।

३. मोहनदास को नीलकंठ के दर्शन

( ) १. .....

.....

२. .....

.....

३. .....

.....

४. .....

.....

५. .....

.....

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५)**

१. बुटोलनगर के राजा का नाम क्या था ? उनकी बहन का नाम क्या था ?

.....

२. जयरामदास नीलकंठ के लिए सरोवर में से क्या लाता था ?

३. नीलकंठ ने किसको लात मारी ?

४. नीलकंठ संवत् १८५६ में कब लोज़ पधारे ?

५. नीलकंठ को गले लगाकर गोपाल योगी ने क्या कहा ?

प्र.५ निम्नलिखित वाक्यों में से सही और गलत वाक्य बताकर गलत वाक्यों को सुधारकर फिर से लिखिए । **(५)**

१. घनश्याम के परम मित्र वेणीराम ने घनश्याम का ध्यान करके देह का त्याग किया । ☐

.....

२. तोताद्रि में रामानुजाचार्य की व्यासपीठ है ।
३. मानसपुर के राजा का नाम सिद्धवल्लभ था ।
४. मयाराम भट्ट ने भूजनगर में रामानंद स्वामी को नीलकंठवर्णी का पत्र दिया ।
५. नीलकंठ ने कुरजी दवे को अक्षरधाम देने का वचन दिया ।

प्र. ६ निम्नलिखित विधानों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । **(५)**

१. योगी प्रतिदिन ..... में से नई-नई चीजें निकालकर नीलकंठ को खिलाते थे ।
२. नीलकंठ ने हरिद्वार में अपने दिव्य स्वरूप के दर्शन राजा ..... को करवाए ।
३. लक्ष्मणझूला में गंगातट पर ..... का मन्दिर है ।
४. बड़ौदा में ..... नामक व्यापारी ने नीलकंठ को भोजन करवाया ।
५. ..... का संग नीलकंठ ने त्याग दिया ।

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - १

प्र. ७ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है यह लिखिए । **(९)**

१. ''आप के उपर यदि किसी का मन आसक्त हो जाय तो उसका पाप किस के सर पर होगा ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

२. ''धन के द्वारा की गई सेवाभक्ति की अपेक्षा तन द्वारा की गई सेवाभक्ति को मैं अधिक मानता हूँ ।''
३. ''सभी अवतारों के अवतार प्रकट पुरुषोत्तम श्रीनारायण की मैं भक्ति करती हूँ ।''

प्र. ८ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(६)**

१. अफ्रीका के सत्संग को विकसित करने में निर्गुण स्वामी का बड़ा योगदान था ।

.....

.....

.....

२. शास्त्रीजी महाराज प्रसन्न होकर आशाभाई से गले लगे ।
३. श्रीजीमहाराज ने पंचाळा में बीमारी संकेल ली ।

प्र. ९ निम्नलिखित वाक्यों में से विषय के अनुरूप केवल <u>पाँच</u> सही वाक्य ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके क्रमांक लिखें । **(५)**

विषय : 'भजी ले भगवान ने.....' कीर्तन में दीया गया भगवान भजने का ढंग ।

१. चेती ले चित्तमां विचारी, चालजे डरी । **२.** पूरव केरा पाप तारां, तो जाशे बळी । **३.** दु:ख तणो दरियाव मोटो, नहीं शको तरी । **४.** भजी ले भगवान साचा संतने मळी । **५.** काल तो विकराल वैरी, वींखशे वळी । **६.** शामलिया ने शरणे जाता, जाशो ऊगरी । **७.** निर्लज्ज तुं नवरो न रह्यो, घर धंधो करी । **८.** ओळखी ले अविनाशी, रहेजे ज्ञानमां गळी । **९.** मान, मरडाई, मोटप मेली भजी लो हरि । **१०.** भाल तिलक केसर केरु राजे । **११.** वचनमां विश्वास राखी भजनमां भळी ।

केवल क्रमांक - ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५)**

१. झीणाभाई को हमेशा किस बात का डर रहता था ?

.....

२. देवीदान ने महाराज के आगे क्या इच्छा प्रकट की ?

३. गढ़पुर में आम के पेड़ की डालियाँ महाराज के सिर को छूती थी, तब महाराज क्या कहते थे ?

४. जीवुबा किन दो कठोर नियमों का पालन करती थी ?

५. गुजरात में श्रीजीमहाराज के अंगरक्षक बनकर कौन सेवा करता था ?

प्र.११ विभाग 'ब' में से योग्य विकल्प के क्रमांक को पसंद करके विभाग 'अ' के सामने दिए गए कोष्ठक में (केवल जवाब का क्रमांक) लिखकर जोड़ बनाइए । **(५)**

विभाग अ		**विभाग ब**
१. देवीदानजी	☐	१. शंभुदानजी
२. लाडुदानजी	☐	२. गणपतभाई
३. जगन्नाथ	☐	३. जीजीभाई
४. झीणाभाई	☐	४. सोमला खाचर
५. जेठाभाई	☐	५. मनुभा

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१२ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० वाक्यों में निबंध लिखिए । **(१०)**

१. आर्षदृष्टा योगीजी महाराज । २. मन्दिर परंपरा के पोषक : प्रमुखस्वामी महाराज ।

३. गुणग्राहक दृष्टि – अक्षरधाम का राजमार्ग ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

विशेष सूचना : उपर दिए गए निबंध में से एक निबंध मुख्य परीक्षा में पूछा जाएगा ।